जननी तुल्यवत्सला

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» पाठ परिचय और पृष्ठभूमि

प्रश्न 1 (आसान). यह पाठ किस ग्रंथ से लिया गया है?
उत्तर – महाभारत के वनपर्व से।

प्रश्न 2 (आसान). इस पाठ के अनुसार हमें सभी प्राणियों के प्रति कैसा भाव रखना चाहिए?
उत्तर – समदृष्टि का भाव।

प्रश्न 3 (मध्यम). दुर्बल प्राणियों के प्रति हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए?
उत्तर – उनके प्रति विशेष वात्सल्य (प्यार) होना चाहिए।

प्रश्न 4 (कठिन). पाठ में 'समदृष्टि' और 'विशेष वात्सल्य' इन दोनों भावों का एक साथ उल्लेख क्यों किया गया है?
उत्तर – क्योंकि समदृष्टि का अर्थ है सबको समान समझना, लेकिन जो कमज़ोर हैं उन्हें दूसरों से ज़्यादा सहारे और प्यार की ज़रूरत होती है, इसलिए उनके लिए विशेष वात्सल्य ज़रूरी है ताकि वे भी समाज में समान रूप से रह सकें।

» किसान और दुर्बल बैल की कथा

प्रश्न 5 (आसान). किसान क्या काम कर रहा था?
उत्तर – किसान अपने बैलों के साथ खेत जोत रहा था।

प्रश्न 6 (आसान). किसान के कितने बैल थे?
उत्तर – किसान के दो बैल थे।

प्रश्न 7 (मध्यम). एक बैल कमज़ोर क्यों था?
उत्तर – एक बैल शरीर से दुर्बल था और तेज़ी से चलने में असमर्थ था।

प्रश्न 8 (कठिन). किसान ने बैल के गिरने पर क्या किया?
उत्तर – किसान ने गिरे हुए बैल को उठाने की बहुत बार कोशिश की, पर बैल नहीं उठा।

» सुरभि का विलाप और इंद्र का प्रश्न

प्रश्न 9 (आसान). सुरभि ने किसे रोते हुए देखा?
उत्तर – सुरभि ने अपने दुर्बल पुत्र बैल को रोते हुए देखा।

प्रश्न 10 (आसान). इंद्र ने सुरभि से क्या पूछा?
उत्तर – इंद्र ने सुरभि से उसके रोने का कारण पूछा।

प्रश्न 11 (मध्यम). सुरभि के अनुसार उसका पुत्र क्यों कष्ट में था?
उत्तर – सुरभि के अनुसार उसका पुत्र इसलिए कष्ट में था क्योंकि किसान उसे बार-बार धकेल रहा था और वह कमज़ोर होने के कारण हल का बोझ नहीं उठा पा रहा था।

» सुरभि का उत्तर: पुत्र के दैन्य पर माँ की पीड़ा

प्रश्न 12 (आसान). सुरभि किसके सामने रोती है?
उत्तर – इंद्र के सामने।

प्रश्न 13 (आसान). सुरभि क्यों रो रही थी?
उत्तर – अपने पुत्र की दयनीय दशा देखकर।

प्रश्न 14 (मध्यम). किसान कमज़ोर बैल के साथ कैसा व्यवहार कर रहा था?
उत्तर – किसान कमज़ोर बैल को जानता था, फिर भी उसे बहुत पीड़ित कर रहा था।

प्रश्न 15 (कठिन). सुरभि के अनुसार, एक कमज़ोर पुत्र के प्रति माँ की कृपा कैसी होती है?
उत्तर – सुरभि के अनुसार, माँ का वात्सल्य सभी पुत्रों के लिए समान होता है, परन्तु दीन (कमज़ोर) पुत्र पर माँ की कृपा स्वाभाविक रूप से ज़्यादा होती है।

» इंद्र का प्रश्न और सुरभि का दार्शनिक उत्तर

प्रश्न 16 (आसान). सुरभि के अनुसार माँ का स्नेह सभी पुत्रों के प्रति कैसा होता है?
उत्तर – समान

प्रश्न 17 (आसान). इंद्र ने सुरभि से किस पुत्र के प्रति विशेष वात्सल्य का कारण पूछा?
उत्तर – कमज़ोर/दुर्बल पुत्र

प्रश्न 18 (मध्यम). माँ अपने किस पुत्र पर स्वाभाविक रूप से अधिक कृपा करती है?
उत्तर – दुर्बल पुत्र पर।

प्रश्न 19 (कठिन). सुरभि ने इंद्र को जो दार्शनिक उत्तर दिया, उसका मुख्य भाव क्या था?
उत्तर – मुख्य भाव यह था कि माँ का प्रेम सभी बच्चों के लिए समान होता है, लेकिन जब कोई बच्चा कमज़ोर या मुसीबत में होता है, तो माँ का हृदय उसके लिए स्वाभाविक रूप से अधिक करुणा और कृपा से भर जाता है।

» इंद्र द्वारा सांत्वना और दैवीय हस्तक्षेप

प्रश्न 20 (आसान). सुरभि की बात सुनकर इंद्र को कैसा लगा?
उत्तर – इंद्र का हृदय द्रवित हो गया।

प्रश्न 21 (आसान). इंद्र ने सुरभि को क्या कहकर सांत्वना दी?
उत्तर – उन्होंने कहा, 'गच्छ वत्से! सर्वं भद्रं जायेत!' (जाओ बेटी! सब अच्छा होगा।)

प्रश्न 22 (मध्यम). इंद्र की सांत्वना के बाद प्रकृति में क्या बदलाव आया?
उत्तर – तेज हवाएं चलीं, बादल गरजे और मूसलाधार बारिश हुई।

प्रश्न 23 (कठिन). बारिश होने पर किसान ने क्या किया और क्यों?
उत्तर – किसान बहुत खुश हुआ और खेत जोतने का काम छोड़कर अपने बैलों को लेकर घर चला गया, क्योंकि बारिश इतनी तेज़ थी कि अब जुताई करना संभव नहीं था।

» पाठ का नैतिक निष्कर्ष

प्रश्न 24 (आसान). जननी का अपनी सभी संतानों के प्रति कैसा प्रेम होता है?
उत्तर – समान।

प्रश्न 25 (आसान). किस प्रकार की संतान के प्रति माँ का हृदय विशेष दयालु होता है?
उत्तर – कमज़ोर या दीन संतान के प्रति।

प्रश्न 26 (मध्यम). इस पाठ का मुख्य नैतिक संदेश क्या है?
उत्तर – सभी संतानों के प्रति माँ का प्रेम समान होता है, लेकिन एक कमज़ोर पुत्र के प्रति उसका हृदय विशेष रूप से दयालु होता है।

» शब्दार्थ और व्याकरण अभ्यास

प्रश्न 27 (आसान). 'कृषीवलः' का समानार्थक पद क्या है?
उत्तर – कृषकः

प्रश्न 28 (आसान). 'नेत्राभ्याम्' का क्या अर्थ है?
उत्तर – दोनों आँखों से

प्रश्न 29 (मध्यम). 'कष्ट देने से' इस अर्थ के लिए पाठ में कौन-सा पद प्रयुक्त हुआ है?
उत्तर – तौदनेन

प्रश्न 30 (कठिन). 'मेघरवैश्च' इस पद का संधि-विच्छेद करें।
उत्तर – मेघरवैः + च

» योग्यता विस्तार: मानवीय मूल्य और मातृ महत्व

प्रश्न 31 (आसान). महाभारत हमें किस प्रकार के मूल्य सिखाता है?
उत्तर – महाभारत हमें धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष जैसे मानवीय मूल्य सिखाता है, और जीवों के प्रति समदृष्टि का भाव भी देता है।

प्रश्न 32 (आसान). मनुस्मृति के अनुसार माता का महत्व क्या है?
उत्तर – मनुस्मृति के अनुसार, माता का गौरव पिता, आचार्य और उपाध्याय सबसे बढ़कर है।

प्रश्न 33 (मध्यम). इस पाठ के माध्यम से धृतराष्ट्र को क्या संदेश दिया गया है?
उत्तर – धृतराष्ट्र को यह संदेश दिया गया है कि उन्हें अपने पुत्रों के साथ-साथ अपने भतीजों (पांडवों) के हित का भी खयाल रखना चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे एक माँ अपनी सभी संतानों को समान मानती है।

प्रश्न 34 (कठिन). कामधेनु की संकल्पना भारतीय संस्कृति में गौ-माता के महत्व को कैसे दर्शाती है?
उत्तर – कामधेनु वह गाय है जो सभी इच्छाओं को पूरा करती है। यह संकल्पना दर्शाती है कि भारतीय संस्कृति में गाय को अत्यंत पूजनीय और शुभ माना जाता है, उसे देने वाली और जीवनदायिनी शक्ति का प्रतीक माना गया है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. यह पाठ हमें मुख्यतः क्या सिखाना चाहता है?

› सबसे पहले, हमें यह समझना होगा कि पाठ का आधार क्या है - यह महाभारत के वनपर्व से लिया गया है।

› फिर, हमें इसके दो मुख्य संदेशों को ध्यान से देखना होगा: पहला, सभी के प्रति समानता का भाव, और दूसरा, जो कमज़ोर हैं उनके लिए विशेष प्यार।

› जब हम इन दोनों बातों को जोड़ते हैं, तो हमें पता चलता है कि पाठ का संदेश है कि हमें हर जीव को समान समझना चाहिए, पर जो बेसहारा या निर्बल हैं, उनके प्रति हमारा प्रेम और करुणा कहीं ज़्यादा होनी चाहिए।

उत्तर – यह पाठ हमें सभी प्राणियों के प्रति समान भाव रखने और विशेष रूप से कमज़ोर प्राणियों के प्रति गहरा प्रेम और करुणा दर्शाने की शिक्षा देता है।

उदाहरण 2. किसान के कितने बैल थे? उनमें से एक कैसा था और किसान उसके साथ कैसा व्यवहार कर रहा था?

› पहला वाक्य बताता है कि 'कश्चित् कृषकः बलीवर्दाभ्यां क्षेत्राकर्षणं वुफर्वन्नासीत्।' इसका मतलब है कि एक किसान दो बैलों से खेत जोत रहा था। तो बैलों की संख्या दो थी।

› दूसरा वाक्य कहता है 'तयोः बलीवर्दयोः एकः शरीरेण दुर्बलः जवेन गन्तुमशक्तश्चासीत्।' यानी उन दोनों बैलों में से एक शरीर से कमज़ोर था और तेज़ी से चलने में भी असमर्थ था।

› तीसरा वाक्य बताता है 'अतः कृषकः तं दुर्बलं वृषभं तोदनेन नुदन् अवर्तत।' इसका अर्थ है कि किसान उस कमज़ोर बैल को कष्ट देता हुआ धकेल रहा था।

› चौथा वाक्य 'सः वृषभः हलमूढ्वा गन्तुमशक्तः क्षेत्रो पपात।' मतलब, वह बैल हल का बोझ उठाकर चलने में असमर्थ होकर खेत में गिर पड़ा।

उत्तर – किसान के दो बैल थे। उनमें से एक बैल शरीर से कमज़ोर था और तेज़ी से चलने में असमर्थ था। किसान उसे कष्ट

देता हुआ धकेल रहा था, जिसके कारण वह बैल हल का बोझ न उठा पाने के कारण खेत में गिर पड़ा।

उदाहरण 3. सुरभि ने अपने पुत्र के लिए इंद्र से क्या कहा?

› सुरभि ने इंद्र को बताया कि वह अपने दुर्बल पुत्र की दयनीय स्थिति देखकर रो रही है।

› उसने कहा कि किसान उसे लगातार प्रताड़ित कर रहा है, जबकि वह हल का बोझ उठाने में असमर्थ है।

› सुरभि ने इंद्र से पूछा कि क्या उन्हें यह सब नहीं दिख रहा है, उसके बेटे का दुख स्पष्ट है।

› उसने यह भी स्पष्ट किया कि उसके अन्य पुत्र स्वस्थ हैं, लेकिन उसका वात्सल्य विशेष रूप से इस कमज़ोर बेटे के लिए है।

उत्तर – सुरभि ने इंद्र से कहा कि वह अपने कमज़ोर बेटे की दीन-हीन दशा देखकर रो रही है, जिसे किसान कष्ट दे रहा है और जो हल का भार नहीं उठा पा रहा है।

उदाहरण 4. सुरभि इंद्र को अपने किस पुत्र की दयनीय स्थिति के बारे में बताती है और क्यों?

› सुरभि अपने कमज़ोर पुत्र वृषभ (बैल) की दयनीय स्थिति के बारे में बताती है।

› वह बताती है कि किसान को यह पता है कि उसका पुत्र कमज़ोर है।

› फिर भी किसान उसे बहुत कष्ट देता है और वह मुश्किल से हल का बोझ उठा पाता है।

› यह देख कर माँ सुरभि को अपने कमज़ोर पुत्र के लिए बहुत पीड़ा होती है।

उत्तर – सुरभि इंद्र को अपने कमज़ोर पुत्र वृषभ की दयनीय स्थिति के बारे में बताती है, क्योंकि किसान उसे कमज़ोर जानते हुए भी बहुत पीड़ित कर रहा था और वह कठिनाई से बोझ ढो रहा था।

उदाहरण 5. इंद्र के 'हज़ारों पुत्रों के होते हुए भी एक पर विशेष वात्सल्य क्यों?' इस प्रश्न का सुरभि ने क्या उत्तर दिया?

› सुरभि ने पहले स्वीकार किया कि उनके हज़ारों पुत्र हैं और सभी के प्रति उनका वात्सल्य (स्नेह) समान है।

› फिर उन्होंने स्पष्ट किया कि यह माँ का स्वाभाविक स्वभाव होता है कि वह अपने दुर्बल (कमज़ोर) पुत्र पर प्रकृति से ही अधिक कृपा दिखाती है।

› उन्होंने समझाया कि यह विशेष कृपा प्रेम में भिन्नता नहीं दर्शाती, बल्कि माँ की करुणा और सहानुभूति को व्यक्त करती है जब बच्चा कठिनाई में होता है।

उत्तर – सुरभि ने उत्तर दिया कि सभी पुत्रों के प्रति माँ का स्नेह समान होता है, परन्तु दुर्बल पुत्र पर माँ की कृपा स्वाभाविक रूप से अधिक होती है।

उदाहरण 6. सुरभि के वचन सुनकर इंद्र ने क्या किया और उसके बाद क्या हुआ?

› सुरभि के करुणापूर्ण वचन सुनकर इंद्र का हृदय द्रवित हो गया।

› इंद्र ने सुरभि को सांत्वना देते हुए कहा, 'जाओ बेटी, सब अच्छा होगा।'

› इंद्र के ऐसा कहने के तुरंत बाद तेज़ हवाएं चलने लगीं और बादल ज़ोर-ज़ोर से गरजने लगे।

› फिर मूसलाधार बारिश होने लगी, जिससे चारों ओर पानी भर गया।

› इस बारिश को देखकर किसान बहुत खुश हुआ और अपने बैलों को लेकर घर चला गया, क्योंकि अब खेत जोतने का काम रुक गया था।

उत्तर – सुरभि के वचन सुनकर इंद्र द्रवित हुए, उन्होंने सांत्वना दी और फिर दैवीय हस्तक्षेप से भयंकर बारिश हुई, जिससे किसान ने काम छोड़कर बैलों को घर ले गया।

उदाहरण 7. सुरभि के अनुसार, माँ का अपने बच्चों के प्रति कैसा व्यवहार होता है?

› सुरभि ने इन्द्र को बताया कि उसके हज़ार पुत्र होने पर भी सभी के प्रति उसका वात्सल्य समान है।

› किन्तु, दीन और कमज़ोर पुत्र पर प्रकृति से ही अधिक कृपा होती है।

› इसका अर्थ है कि माँ सभी से समान प्रेम करती है, पर जो कमज़ोर होता है, उस पर विशेष दया करती है।

उत्तर – माँ सभी संतानों से समान प्रेम करती है, परन्तु दीन या कमज़ोर संतान के प्रति उसके हृदय में अधिक दया और करुणा होती है।

उदाहरण 8. पाठ में आए 'तुल्यवत्सला' पद का क्या अर्थ है और यह किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

› पहला कदम: सबसे पहले, 'तुल्यवत्सला' शब्द को तोड़कर समझने की कोशिश करेंगे। 'तुल्य' मतलब 'समान' और 'वत्सला' मतलब 'प्रेम करने वाली' या 'ममता वाली'।

› दूसरा कदम: तो, इसका पूरा अर्थ हुआ 'समान रूप से प्रेम करने वाली' या 'समान ममता वाली'।

› तीसरा कदम: अब देखेंगे कि पाठ में यह शब्द किसके लिए आया है। पाठ में यह माँ सुरभि के लिए प्रयुक्त हुआ है, जो अपने सभी बच्चों (गाय और बैलों) से समान प्रेम करती है।

उत्तर – 'तुल्यवत्सला' का अर्थ है 'समान रूप से प्रेम करने वाली' और यह पद पाठ में माँ सुरभि के लिए प्रयुक्त हुआ है।

उदाहरण 9. इस पाठ में गौ-माता सुरभि और इंद्र के संवाद से हमें क्या संदेश मिलता है?

› पहला चरण: पाठ में सुरभि और इंद्र के संवाद को समझें। सुरभि अपनी संतानों के दुख से रो रही थी, भले ही इंद्र को लगा कि उसके पास हज़ार पुत्र हैं, फिर भी एक पुत्र के लिए इतनी चिंता क्यों?

› दूसरा चरण: सुरभि इंद्र को समझाती है कि उसके लिए सभी पुत्र समान हैं, लेकिन जो दुर्बल है, उसे ज़्यादा ममता की ज़रूरत है।

› तीसरा चरण: इस संवाद से हमें यह संदेश मिलता है कि माता के लिए सभी संतान बराबर होती हैं, लेकिन दुर्बल या संकटग्रस्त संतान के प्रति उसका प्रेम और चिंता बढ़ जाती है। यह हमें सिखाता है कि हमें भी समाज में कमज़ोर लोगों के प्रति ज़्यादा दयालु होना चाहिए।

उत्तर – गौ-माता सुरभि और इंद्र के संवाद से हमें यह संदेश मिलता है कि माता की ममता सभी संतानों के प्रति समान होती है, परंतु दुर्बल या संकट में फंसी संतान के लिए वह और भी गहरी हो जाती है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह भाग सीधा प्रश्न नहीं आता, पर इसके मुख्य संदेश को समझना पाठ के अंदर के प्रश्नों को हल करने में मदद करेगा।

• इस भाग से 'एकपदेन उत्तरत' और 'पूर्णवाक्येन उत्तरत' जैसे छोटे प्रश्न आ सकते हैं, इसलिए पात्रों के नाम और मुख्य घटनाओं को ध्यान से याद रखें।

• यह अंश माँ की ममता (वात्सल्य) को दर्शाता है, जो परीक्षा में 'जननी तुल्यवत्सला' की अवधारणा को समझाने के लिए महत्वपूर्ण है।

• यह अंश 'जननी तुल्यवत्सला' पाठ का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है, इससे अक्सर माँ की ममता और इंद्र-सुरभि संवाद पर आधारित प्रश्न आते हैं।

• यह अंश बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 'सुरभिः इन्द्रस्य प्रश्नस्य किमुत्तरं ददाति?' यह प्रश्न अक्सर आता है। सुरभि के दार्शनिक उत्तर को ध्यान से समझें और लिखें।

• यह अंश पाठ के एक महत्वपूर्ण मोड़ को दर्शाता है। बोर्ड परीक्षा में यहाँ से इंद्र के हृदय परिवर्तन और दैवीय हस्तक्षेप के परिणाम पर आधारित प्रश्न आ सकते हैं। घटनाक्रम को ध्यान से याद रखें।

• यह पाठ का केंद्रीय विचार है। परीक्षा में इस नैतिक निष्कर्ष पर आधारित प्रश्न अक्सर आते हैं, इसलिए इसे अच्छे से समझना ज़रूरी है।

• व्याकरण अभ्यास के लिए दिए गए प्रश्न निर्माण, संधि और सर्वनाम प्रयोग वाले प्रश्न बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इन्हें बार-बार लिखकर अभ्यास करें।

• इस खंड से 'मूल्य आधारित प्रश्न' (value-based questions) आ सकते हैं, जिनमें पाठ के संदेशों और शिक्षाओं पर आपके विचार पूछे जा सकते हैं।

एक नज़र में रिवीज़न

› महाभारत (वनपर्व) से। सभी के प्रति समदृष्टि, दुर्बलों से विशेष वात्सल्य।

› किसान के दो बैल, एक दुर्बल, हल से गिरा, किसान ने उठाने की कोशिश की।
› दुर्बल पुत्र की दीनता पर सुरभि का विलाप; इंद्र का प्रश्न।
› कमज़ोर पुत्र के दैन्य पर माँ सुरभि की पीड़ा।
› माँ का स्नेह समान, पर दुर्बल पुत्र पर अधिक कृपा।
› इंद्र ने सुरभि को सांत्वना दी, फिर तेज़ हवा और वर्षा हुई।
› माँ का प्रेम सभी के लिए समान, दुर्बल के लिए विशेष दया।
› शब्दार्थ और व्याकरण अभ्यास भाषा समझने व परीक्षा हेतु आवश्यक।
› मानवीय मूल्य, मातृ महत्व, गौ-माता की महिमा - महाभारत की सीख।